



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 61]
No. 61]

नई दिल्ली, मंगलवार, फरवरी 23, 1982/फाल्गुन 4, 1903
NEW DELHI, TUESDAY, FEBRUARY 23, 1982/PHALGUNA 4, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)
प्रधिसूचना]

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 1982

सं० 22/केंद्रीय उत्पाद-शुल्क

सां०कां०वि० 77(अ) :—केंद्रीय सरकार, केंद्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 2/82-केंद्रीय उत्पाद-शुल्क और 3/82-केंद्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 जनवरी, 1982 को अधिकांत करने हुए, केंद्रीय उत्पाद शुल्क और तमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची की मद सं० 38 के अंतर्गत आने वाली ऐसी दियासलाहों को, जिनके विनिर्माण में या जिनके विनिर्माण के संबंध में कोई भी प्रक्रिया, किसी कारखाने से घरेलू उपभोग के लिए प्रथम निकासी की बाबत सामान्यतया पाबन की सहायता से नहीं की जाती है और जिनकी निकासी किसी वित्तीय वर्ष के दौरान बारह करोड़ से अधिक नहीं है, उन पर उद्ग्रहणीय उत्तरे उत्पाद-शुल्क से छूट देती है जितना 50 दियासलाहों के बक्कों के प्रति गुप्त पर 1.60 रुपए से अधिक है; परन्तु यह इस शर्त के अधीन होगी कि उक्त कारखाने से ऐसे वित्तीय वर्ष के दौरान निकासी पन्द्रह करोड़ दियासलाहों से अधिक नहीं होती है और यह निम्नलिखित शर्तों के अधीन भी होगी, अर्थात् :—

(i) उक्त कारखाने से पूर्वोक्त अवधि के दौरान किसी एक कलैण्डर 1358 GI/81

मास में दियासलाहों का कुल उत्पादन एक करोड़ पचास लाख से अधिक नहीं होता है;

(ii) पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के दौरान घरेलू उपभोग के लिए उक्त कारखाने से दियासलाहों की कुल निकासी, यदि कोई हो, पन्द्रह करोड़ से अधिक नहीं होती है :

परन्तु—

(क) छूट की रकम 50 दियासलाहों के बक्कों के प्रति गुप्त पर 50 पैसे बढ़ा दी जाएगी, यदि स्पिस्टों के लिए या स्पिस्टो और बैनियरो दोनों के लिए वांग का प्रयोग किया जाता है;

(ख) यदि ऐसी दियासलाहों के डिप्लेट बास से बनाए जाते हैं और दियासलाहों 40 के हिसाब से बक्कों में पैक की जाती हैं तो शुल्क की दर, समरूप वर्णन की ऐसी दियासलाहों की जिनका उसी कारखाने में उत्पादन किया जाता है किन्तु दियासलाहों 50 के हिसाब से बक्कों में पैक की जाती हैं, लागू दर की 4/5 होगी और यदि दियासलाहों की 50 के हिसाब से बक्कों में इस प्रकार पैकिंग नहीं की जाती है तो वह 50 के हिसाब से बक्कों में पैक की गई दियासलाहों के लिए वाणिज्यिक रूप से अवधारित दर की 4/5 होगी :

परन्तु यह और कि इस अधिसूचना में अस्तिष्ट छूट उन दियासलाहों को लागू नहीं होगी, जिनकी बाहरी प्लास्टिक या भीतरी प्लास्टिक या दोनों कार्य बोंडे से बनाई जाती हैं।

(171)

स्वच्छीकरण—इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए :—

- (क) दियासलाई को बक्से में भरने;
- (ख) दियासलाई की तीली के सिरों के लिए सम्मिश्रण में स्प्लिट को डुबाने;
- (ग) फ्रेम भरने;
- (घ) केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क स्टाम्प लगाने;
- (ङ) पैक करने;
- (च) बेनियर चपटी-पट्टियों या स्ट्रिप्स को, दियासलाई के कागज के प्रयोग से, दियासलाई के बक्से को जिसके अन्तर्गत बाहरी स्लाइड या भीतरी स्लाइड हैं, शक्ति देने की प्रक्रिया;
- (छ) दियासलाई के बक्से या बेनियरों पर, चिपका कर या किसी अन्य रीति से, लेबल लगाने की प्रक्रिया,

के लिए अपनाई जाने वाली यांत्रिक प्रक्रिया से भिन्न कोई प्रक्रिया सामान्यतया शक्ति की सहायता से की जाने वाली प्रक्रिया नहीं समझी जाएगी।

[फा० सं० 354/1/82-टी०आर०यू०]

जितेन्द्र बत्ता, अधीक्षक

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

NO. 22/82-CENTRAL EXCISES

New Delhi, the 23rd February, 1982

G.S.R. 77(E)—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, and in supersession of the notifications of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 2/82-Central Excises and 3/82-Central Excises, dated the 1st January, 1982, the Central Government hereby exempts matches, falling under Item No. 38 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), in or in relation to the manufacture of which no process is ordinarily carried on with the aid of power, in respect of the first clearances for home consumption from a factory not exceeding 120 million matches cleared during a financial year, from so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of Rs. 1.60 per gross boxes of 50 matches, subject to the condition that clearances from the said factory

during such financial year does not exceed 150 million matches and also subject to the following other conditions, namely :—

- (i) the total production of matches in a calendar month during the aforesaid period by the said factory does not exceed 15 million matches;
- (ii) the total clearances, if any, of matches for home consumption from the said factory during the preceding financial year, did not exceed 150 million matches :

Provided that—

- (a) the amount of exemption shall be increased by 50 paise per gross boxes of 50 matches if bamboo is used for the splints or for both splints and veneers;
- (b) if the splints of such matches are made of bamboo and the matches are packed in boxes of 40 matches, the rate of duty shall be four-fifths of the rate applicable to matches of identical description produced in the same factory but packed in boxes of 50 matches and if such packing in boxes of 50 matches is not done, it shall be four-fifths of the notionally determined rate for matches packed in boxes of 50 matches :

Provided further that the exemption contained in this notification shall not apply to matches packed in boxes in which the outer slide or the inner slide or both are made of card board.

Explanation.—For the purposes of this notification, no process other than the mechanical process employed for—

- (a) filling of boxes with matches;
- (b) dipping of splints in the composition for match heads;
- (c) frame filling;
- (d) affixing of Central Excise Stamps;
- (e) packaging;
- (f) the process of giving the veneer flats or strips the configuration of a match box including the outer slide or the inner slide with the use of match paper;
- (g) the process of affixing labels, by pasting or any other means, on match boxes or veneers,

shall be deemed to be a process ordinarily carried on with the aid of power.

[F. No. 354/1/82-TRU]
J. K. BATRA, Under Secy.